उत्तराखंड/उत्तर प्रदेश का प्रथम द्विभाषीय (हिन्दी-अंग्रेजी) सांध्य दैनिक समाचार पत्र

जनमत टुडे

वर्ष:12 | अंक:340 | देहरादून, गुरुवार, 23 दिसंबर, 2021 | पृष्ठ:08

कृषि में नैनो तकनीकी के प्रयोग विषय पर राष्ट्रीय आभासी व्याख्यान संपन्न

दीपक गौड़ (जनमत टुडे)

कानपुरः चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर में कास्ट एनसी परियोजना अंतर्गत एक दिवसीय कृषि में नैनो तकनीकी के प्रयोग विषय पर राष्ट्रीय आभासी व्याख्यान का आयोजन किया गया इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एवं व्याख्यान कर्ता डॉ. केएस सुब्रमण्यम निदेशक शोध तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय कोयंबटूर ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया।उन्होंने बताया कि नैनो तकनीक के उपयोग से कृषि में आमूल चूल परिवर्तन हो रहे हैं उन्होंने कहा कि सूक्ष्म पोषक तत्वों से भरपूर नैनो फाइबर से बीजों का कैप्सूली करण कर उनकी अंकुरण, ओज एवं स्वास्थ्य क्षमता को बढ़ाया जा सकता है नैनोफाइबर कोटिंग द्वारा विभिन्न फसलों में पोषक

तत्वों की स्मार्ट डिलीवरी मूंगफली, उड़द एवं मूंग जैसी फसलों में की जा रही है उन्होंने बताया कि नैनो तकनीक से पोषक तत्वों के प्रति पौध आवश्यकता को काफी हद तक कम कर दिया है ऐसे नैनो न्यूट्री कैप्सूल तैयार किए गए हैं जिसके द्वारा फसलों में कई पोषक तत्वों की कमी को दूर किया जा सकता है उन्होंने कहा कि न्यूट्री कैप्सूल पौधों के लिए कॉम्प्लान बूस्टर माने जाते हैं डॉ सुब्रमण्यम ने बताया कि नैनो प्रौद्योगिकी युक्त ड्रोन के द्वारा नैनो यूरिया एवं खरपतवार नाशी कीटनाशक का छिड़काव करना आसान हो गया है तथा खेतों एवं पौधों के स्वास्थ्य का निरीक्षण भी इस तकनीक से किया जा सकता है नैनो सिलका से भरपूर जैविक अणु के द्वारा फसलों में लगने वाली बीमारियों का पहले से ही पता लगाया जा सकता है फसल एवं फलों की कटाई के उपरांत लगभग 30% फल एवं सब्जी का नुकसान हो जाता है जिससे कृषक की आमदनी का प्रभाव पड़ता है नैनो एमल्शन का प्रयोग फलों पर एवं डिब्बों में नैनो स्टीकर रखने से उनकी भंडारण क्षमता 2 से 3 सप्ताह बढ़ जाती है उन्होंने बताया कि नैनो इमल्शन से फल ताजे बने रहते हैं नैनो पायलट का उपयोग फलों के संरक्षण में किया जा रहा है नैनो फिल्म में कटाई के उपरांत टमाटर को रखने से टमाटर 2 से 3 सप्ताह तक तरोताजा बने रहते हैं।

किन हर दिन 1 लाख केस भी आए तो... 12

अयोध्या जमीन खरीद घोटाले में दखल दे सुप्रीम... 05

जन एक्सप्रेस

लखनऊ
वर्ष: 13 | अंक: 73
मूल्य: ₹ 3.00/-
पेज : 12
लखनऊ | शुक्रवार | 24 दिसंबर, 2021

किसान सम्मान दिवस का आयोजन

जन एक्सप्रेस/कानपुर नगर। कृषि विभाग एवं कृषि विज्ञान केंद्र, अनौगी तथा अन्य विभागों के संयुक्त तत्वाधान में गुरुवार को जनपद के कलेक्ट्रेट स्थित परिसर में किसान सम्मान दिवस का आयोजन किया गया। बताते चलें कि राष्ट्रीय किसान सम्मान दिवस पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह के जन्म दिवस के अवसर पर मनाया जाता है। इस अवसर पर एक कृषि मेला एवं कृषि प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया। केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. वी. के. कनौजिया ने सभी किसानों एवं महिला किसानों को बताया कि चौधरी साहब किसानों के सच्चे हमदर्द थे। वह किसानों की तकलीफों को समझते थे तथा उनके द्वारा बनाई गई योजनाओं को आज भी याद किया जाता है। केंद्र के मृदा वैज्ञानिक डॉ. ख़लील खान ने मृदा परीक्षण एवं पोषक तत्व प्रबंधन तथा डॉ. विनोद कुमार ने रबी फसलों में खरपतवार प्रबंधन विषय पर जानकारी दी। इस अवसर पर प्रगतिशील किसान राहुल सिंह,इंद्रजीत सिंह, दिवाकर प्रताप सिंह, अभिलेख सिंह, श्रीमती अंशु एवं अजय कुशवाहा सहित कुल जनपद के 6 किसानों को केंद्र के वैज्ञानिकों द्वारा सम्मानित भी किया गया।

कानपुर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित वर्ष: 13 अंक: 173 कानपुर, शुक्रवार 24 दिसम्बर, 2021 नगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्य: 2.00 रुपये

राष्ट्रीय स्वरूप

आभासी व्याख्यान पर नवयुवक वैज्ञानिकों एवं छात्रों को नैनो तकनीक शोध के लिए किया प्रेरित

कानपुर। सीएसए में कास्ट एनसी परियोजना अंतर्गत एक दिवसीय कृषि में नैनो तकनीकी के प्रयोग विषय पर राष्ट्रीय आभासी व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एवं व्याख्यान कर्ता डॉक्टर के एस सुब्रमण्यम निदेशक शोध तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय कोयंबटूर ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया।उन्होंने बताया कि नैनो तकनीक के उपयोग से कृषि में आमूल चूल परिवर्तन हो रहे हैं।उन्होंने कहा कि सूक्ष्म पोषक तत्वों से भरपूर नैनो फाइबर से बीजों का कैप्सूलीकरण कर उनकी अंकुरणएओज एवं स्वास्थ्य क्षमता को बढ़ाया जा सकता है। नैनोफाइबर कोटिंग द्वारा विभिन्न फसलों में पोषक तत्वों की स्मार्ट डिलीवरी मूंगफलीए उड़द एवं मूंग जैसी फसलों में की जा रही है। उन्होंने बताया कि नैनो तकनीक से पोषक तत्वों के प्रति पौध आवश्यकता को काफी हद तक कम कर दिया है।ऐसे नैनो न्यूट्री कैप्सूल तैयार किए गए हैं। जिसके द्वारा फसलों में कई पोषक तत्वों की कमी को दूर किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि

न्यूट्री कैप्सूल पौधों के लिए कॉम्प्लान बूस्टर माने जाते हैं। डॉ सुब्रमण्यम ने बताया कि नैनो प्रौद्योगिकी युक्त ड्रोन के द्वारा नैनो यूरिया एवं खरपतवार नाशी कीटनाशक का छिड़काव करना आसान हो गया है। तथा खेतों एवं पौधों के स्वास्थ्य का निरीक्षण भी इस तकनीक से किया जा सकता है।नैनो सिलका से भरपूर जैविक अणु के द्वारा फसलों में लगने वाली बीमारियों का पहले से ही पता लगाया जा सकता है।फसल एवं फलों की कटाई के उपरांत लगभग 30: फल एवं सब्जी का नुकसान हो जाता है जिससे कृषक की आमदनी का प्रभाव पड़ता है नैनो एमल्शन का प्रयोग फलों पर एवं डिब्बों में नैनो स्टीकर रखने से उनकी भंडारण क्षमता 2 से 3 सप्ताह बढ़ जाती है। कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर श्वेता ने किया तथा डॉ राजीव ने समस्त अतिथियों को धन्यवाद दिया। इस अवसर पर डॉ विनयए पारस कुशवाहाए राजकुमारए सुबोध एवं अन्य लोग उपस्थित रहे।

कानपुर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित वर्ष: 13 अंक: 173 कानपुर, शुक्रवार 24 दिसम्बर, 2021 नगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्य: 2.00 रुपये

राष्ट्रीय स्वरूप

पूर्व प्रधानमंत्री के जन्मोत्सव पर किसान हुएं सम्मानित

कानपुर । कृषि विभाग एवं कृषि विज्ञान केंद्रए अनौगी तथा अन्य विभागों के संयुक्त तत्वाधान में जनपद के कलेक्ट्रेट स्थित परिसर में एक विशाल किसान सम्मान दिवस का आयोजन किया गया। ज्ञातव्य हो कि राष्ट्रीय किसान सम्मान दिवस पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह के जन्म दिवस के अवसर पर मनाया जाता है। इस किसान सम्मान दिवस के अवसर पर एक कृषि मेला एवं कृषि प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया। केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ वीके कनौजिया ने समस्त किसानों एवं महिला किसानों को बताया कि चौधरी साहब किसानों के सच्चे हमदर्द थे।किसानों की तकलीफें को वे अपनी तकलीफ समझते थे।किसानों के लिए बनाई गई

योजनाओं को आज भी याद किया जाता है। केंद्र के मृदा वैज्ञानिक डॉण् ख़लील खान ने मृदा परीक्षण एवं पोषक तत्व प्रबंधन विषय के बारे में विस्तार से जानकारी दी। डॉण् विनोद कुमार ने रबी फसलों में खरपतवार प्रबंधन विषय पर जानकारी दी। पशुपालन वैज्ञानिक डॉ सीके राय ने सर्दी के मौसम में पशुओं की देखभाल विषय पर जानकारी दी। डॉ अमर सिंह ने उद्यानिकी फसलों के बारे में विस्तार से जानकारी दी।गृह वैज्ञानिक डॉण् चंद्रकला यादव ने किचन गार्डन के बारे में विस्तार से बताया। इस अवसर पर प्रगतिशील किसान राहुल सिंहएइंद्रजीत सिंहए दिवाकर प्रताप सिंहए अभिलेख सिंहए श्रीमती अंशु एवं अजय कुशवाहा सहित कुल जनपद के 6 किसानों को केंद्र के वैज्ञानिकों द्वारा सम्मानित भी किया गया। इन किसानों के द्वारा उद्यानिकी फसलों की खेती एवं उद्यानिकी तकनीकी के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य किए गए हैं। जिससे उनकी आय में बढ़ोतरी हुई है। इस अवसर पर जिला अधिकारीए मुख्य विकास अधिकारीए उप कृषि निदेशकए जिला कृषि अधिकारीए मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारीए जनपद के विधायक गण सहित लगभग 600 से अधिक किसानों ने सहभागिता की।

Sign in to edit and save changes to this file.

लखनऊ संस्करण
वर्ष-06, अंक -62
शुक्रवार, 24 दिसंबर 2021
पृष्ठ-12
मूल्य-3 रुपये

Azadi Ka Amrit Mahotsav

दैनिक भास्कर

देश का सबसे विश्वसनीय अखबार

For epaper : www.dainikbhaskarup.com

पूर्व प्रधानमंत्री के जन्मोत्सव पर किसान सम्मानित

भास्कर ब्यूरो

कानपुर। कृषि विभाग एवं कृषि विज्ञान केंद्र, अनौगी तथा अन्य विभागों के संयुक्त तत्वाधान में जनपद के कलेक्ट्रेट स्थित परिसर में एक विशाल किसान सम्मान दिवस का आयोजन किया गया। ज्ञातव्य हो कि राष्ट्रीय किसान सम्मान दिवस पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह के जन्म दिवस के अवसर पर मनाया जाता है। इस किसान सम्मान दिवस के अवसर पर एक कृषि मेला एवं कृषि प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया।

केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ वीके कनौजिया ने समस्त किसानों एवं महिला किसानों को बताया कि चौधरी साहब किसानों के सच्चे हमदर्द थे।किसानों की तकलीफों को वे अपनी तकलीफ समझते थे।किसानों के लिए बनाई गई योजनाओं को आज भी याद किया जाता है। केंद्र के मृदा वैज्ञानिक डॉ. ख़लील खान ने मृदा परीक्षण एवं पोषक तत्व प्रबंधन विषय के बारे में विस्तार से जानकारी दी। डॉ. विनोद कुमार ने रबी फसलों में खरपतवार प्रबंधन विषय पर जानकारी दी। पशुपालन वैज्ञानिक डॉ सीके राय ने सर्दी के मौसम में पशुओं की देखभाल विषय पर जानकारी दी। डॉ अमर सिंह ने उद्यानिकी फसलों के बारे में विस्तार से जानकारी दी।गृह वैज्ञानिक डॉ. चंद्रकला यादव ने किचन गार्डन के बारे में विस्तार से बताया। इस अवसर पर प्रगतिशील किसान राहुल सिंह,इंद्रजीत सिंह, दिवाकर प्रताप सिंह, अभिलेख सिंह, श्रीमती अंशु एवं अजय कुशवाहा सहित कुल जनपद के 6 किसानों को केंद्र के वैज्ञानिकों द्वारा सम्मानित भी किया गया। इन किसानों के द्वारा उद्यानिकी फसलों की खेती एवं उद्यानिकी तकनीकी के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य किए गए हैं। जिससे उनकी आय में बढ़ोतरी हुई है।